RESPONSIBILITY FOR THE FIRST WORLD WAR

FOR B.A.-II,PAPER-4

BY:ARUN KUMAR RAI
ASST.PROFESSOR
MAHARAJA COLLEGE
ARA.

- प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के पश्चात युद्ध दायित्व को लेकर मतभेद की स्थिति उत्पन्न हो गई ।सभी यूरोपीय देश अपने को युद्ध अपराध से मुक्त रखने एवं शत्रु देश पर सारी जवाबदेही लादने की कोशिश में दिखे।
- युद्ध उपरांत सबसे पहले **जर्मनी** का **श्वेत(**White book)प्रकाशित हुआ इसमें 27 प्रलेख(Documents) थे। युद्ध के संदर्भ में जर्मन चांसलर ने कहा कि वह रुसी आक्रमण के विरुद्ध रक्षात्मक कार्रवाई कर रहा है। Triple Entenate देशों ने इसे झूठ का पुलिंदा कहा।

- ब्रिटेन ने जवाब में 6 अगस्त को **ब्लू बुक** प्रस्तुत किया जिसमें 159 प्रलेख (Documents)थे।
- इसे पढ़कर ऐसा लगता है कि सर एडवर्ड ग्रे(ब्रिटेन का विदेश सचिव)के शांति कोशिशों को जर्मनी ने अस्वीकार कर दिया तथा Serbia के विरुद्ध Austria ने तुरंत युद्ध कर यूरोप को युद्ध में ढकेल दिया। प्रथम विश्वयुद्ध की समस्त दायित्व जर्मनी एवं ऑस्ट्रिया पर डाला

- 7 अगस्त को **रूस** का **ऑरेंज बुक** प्रकाशित हुआ जिसमें 79 प्रलेख थे।
- इसका उद्देश्य रूस के शांति प्रयत्नों को प्रचारित करना था।
- प्रलेख में युद्ध की सारी जवाबदेही ऑस्ट्रिया तथा जर्मनी पर डाली गई।
- 8 नवंबर 1914 को **सर्बिया ने** अपना **ब्लूबुक** प्रकाशित किया। इसमें यह साबित करने की कोशिश की गई कि सेराजेवो हत्याकांड में उसका कोई हाथ नहीं है तथा युद्ध के लिए एकमात्र दोषी ऑस्ट्रिया है।

- 1 दिसंबर 1914 को **फ्रांस** का **पीला बुक** निकला। फ्रांस ने अपने को शांतिप्रिय तथा जर्मनी एवं ऑस्ट्रिया को युद्ध लोलुप देश बताया। इसमें जर्मनी के आक्रमक रवैया की चर्चा की गई।
- 3 फरवरी 1915 को 69 पर लेख वाला **ऑस्ट्रिया** का **लाल बुक** निकला। इसमें ऑस्ट्रिया को बिल्कुल निर्दोष बताने का प्रयत्न किया गया था। मित्र राष्ट्र देशों ने इस पर जरा भी विश्वसनीय नहीं माना तथा जर्मनी की श्वेत पत्र की तरह इसे अस्वीकार कर दिया गया।

- प्रथम विश्वयुद्ध का अंत केंद्रीय शक्ति की पराजय के साथ होती है तथा पेरिस में शांति सम्मेलन की व्यवस्था की जाती है।
- युद्ध दायित्व निर्धारण हेतु **लैसिंग**की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया जाता है।
- इस आयोग की रिपोर्ट में केंद्रीय शक्तियों और उनके मित्र राज्यों पर युद्ध भड़काने का सारा दायित्व लादा गया।
- इसी रिपोर्ट के आधार पर वर्साय की संधि की धारा 231 में युद्ध का सारा दायित्व केंद्रीय शक्तियो विशेषकर जर्मनी पर मढ़ दिया गया।

- अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत साबित करने के लिए दिसंबर 1919 में जर्मनी में **काट्स्की प्रलेख** का प्रकाशन हुआ इसमें 1123 प्रलेख संकलित थे।
- इससे पता चलता है कि विश्व युद्ध के आरंभ होने से पूर्व संकट के दिनों में जर्मनी ने युद्ध रोकने के लिए वास्तविक प्रयत्न किए थे।
- 1919 में ऑस्ट्रिया में दूसरी लाल पुस्तिका प्रकाशित हुई जिसमें 352 प्रलेख थे। इसमें बतलाया गया है कि ऑस्ट्रिया की कूटनीति ने जर्मनी को एक ऐसे युद्ध में घसीट लिया जिसे स्वयं वह नहीं चाहता था।

- नए शोधों तथा निष्पक्ष इतिहासकारों ने इस धारणा का खंडन किया है कि जर्मनी एवं सहयोगी राष्ट्र ही युद्ध के लिए एकमात्र जिम्मेदार है।
- **S.B.Fay** की पुस्तक The Origins of First World war तथा **A.J.P.Taylor** की पुस्तक The Struggle for mastery in Europe के अनुसार युद्ध के लिए हर छोटे-बड़े देश अपने-अपने ढंग से जवाबदेह थे।
- मौलिक कारणों के अलावा इन्होंने ऐसे कार्य ससमय नहीं किए जिससे युद्ध रोका जा सकता था इस लिहाज से इन देशों की निर्णायक जवाबदेही बनती है।

सर्बिया का उत्तरदायित्व:

- राष्ट्रवाद की भावना के तहत व विखरे सर्व लोगों को एकजुट करने की कोशिश कर रहा था जिसे रूस का समर्थन प्राप्त था।
- ऑस्ट्रिया के भीतर सर्ब लोगों के मुक्ति का लक्ष्य था, सेराजेवो हत्याकांड इसी सर्व राष्ट्रवाद का परिणाम था।
- हत्या पश्चात सर्बिया ने षड्यंत्र कार्यों में संलग्न लोगो को गिरफ्तार कर न्यायालय सुपुर्द करने की कोशिश नहीं की तथा एक को फरार हो जाने में

- सर्बिया की सरकार को षड्यंत्र की पूरी जानकारी थी इसके बावजूद उसने रोकने की कोशिश नहीं की।
- उसे Austria के साथ जानकारी साझा करनी चाहिए थी ,लेकिन ऐसा नहीं किया।
- Austria की यह मांग की उसके अधिकारियों का भी अभियुक्तों की तलाश में सहयोग लिया जाए इसे सर्बिया की सरकार ने इंकार कर दिया।

ऑस्ट्रिया का उत्तरदायित्व:

- सर्व उग्रवादियों द्वारा जिस तरह से ऑस्ट्रिया के भावी सम्राट की हत्या की गई इसको देखते हुए सर्बिया को दंडित करना आवश्यक था अतः इसने ऐसी शर्त रखी जिसको सर्बिया द्वारा अस्वीकृत करना स्वभाविक था।
- कोई मध्यस्थ देश शामिल ना हो इसलिए जल्द ही युदद्ध की शुरुआत की।
- उसे आशा थी कि जर्मनी रूस को रोके रहेगा एवं युद्ध स्थानीय होगा किंतु सर्बिया पर हमला करके ऑस्ट्रिया ने रूस को उत्तेजित किया इस लिहाज से वह अवश्य युद्ध के

रूस का उत्तरदायित्व:

- Austria एवं Serbia के संघर्ष में रूस कुछ हद तक जिम्मेदार
- रूस Austriaके विरुद्ध Serbia को प्रोत्साहित करता था।
- रूस महा शक्तियों में पहला देश था जिसने सेना की लामबंदी की साथ ही राजनीतिक वार्ता के साथ गुप्त रूप से सैन्य तैयारियां भी जारी रखा। इससे जर्मनी एवं ऑस्ट्रिया में भय पैदा हुआ।

- जर्मनी, ऑस्ट्रिया पर दबाव डालकर समस्या के शांतिपूर्ण समाधान के लिए यत्न कर रहा था ठीक उसी समय रूस ने सैन्य लामबंदी की घोषणा कर दी जिससे जर्मनी भी प्रेरित हुआ।
- जर्मनी को फ्रांस से भी खतरा था।
- रूस ने कूटनीतिक समस्या को सैन्य रूप प्रदान किया तथा सर्विया के पक्ष में युद्ध में कूद पड़ा।

जर्मनी का उत्तरदायित्व:

- जर्मनी युद्ध का आकांक्षी नहीं था ।उसने विलंब से युद्ध रोकने के लिए कोशिश किया ।Austria उसका भरोसेमंद दोस्त था फलत: उसे छोड़ नहीं सकता था।
- त्रिपक्षीय समझौता के देश उस पर बिल्कुल भरोसा नहीं करते थे।रुस,ब्रिटेन. फ्रांस मी आमधारणा थी कि ऑस्ट्रिया सब कुछ जर्मनी से पूछ कर ही करता है।

- जर्मनी की भौगोलिक स्थिति फ्रांस पर विजय प्राप्ती आवश्यक समझती थी।
- रूसी सैन्य लामबंदी की खबर ने जर्मनी को बेचैन कर दिया उसने फ्रांस तथा रूस से अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की । संतोषजनक उत्तर न मिलने की स्थिति में उसने युद्ध की घोषणा कर दी।

फ्रांस का उत्तरदायित्व:

- फ्रांस ने रुस को पूरा समर्थन दिया एवं किसी समय उसे संयम बरतने की सलाह नहीं दी इससे रूस को प्रोत्साहन मिला।
- रूस को सैन्य कार्रवाई शुरू करने से नहीं रोका वह जानता था कि ऐसा करने पर जर्मनी चुप नहीं बैठेगा

ब्रिटेन का उत्तरदायित्व:

- संकट के आरंभिक दिनों में जर्मनी को चेतावनी देनी चाहिए थी कि यूरोपीय युद्ध छेड़ने पर ब्रिटेन मित्र राज्यों (रुस एवं फ्रांस) का साथ देगा ।ऐसा करने पर जर्मनी ऑस्ट्रिया पर गंभीरतम दबाव बनाता ।
- फ्रांस एवं रुस को युद्ध होने की स्थिति में स्वयं तटस्थ होने की घोषणा करता इससे रुस ,सैन्य लामबंदी करने पर पुनर्विचार करता।

Thanks!